Regarding MPLADS funds

डॉ. मोहम्मद जावेद (किशनगंज) : मैडम चेयरमैन, यह सब्जेक्ट सभी से ताल्लुक रखता है, वह है एमपीलैड्स फंड । मैडम, यह वर्ष 1993 में शुरू हुआ और पांच लाख रुपये प्रति एमपी, प्रति वर्ष दिया जाता था । उसका लाभ देख कर पांच सालों में इसको चालीस गुना बढ़ा कर दो करोड़ रुपये सालाना, हर एमपी के लिए हर क्षेत्र में कर दिया गया । मैडम, पिछले 14 सालों से पांच करोड़ रुपये से एक नया पैसा नहीं बढ़ाया गया है । पांच करोड़ रुपया जो वर्ष 2011 में बनता था, मंहगाई बढ़ गई, एम्पलॉयमेंट की दर बढ़ गयी, मैटीरियल की कॉस्ट बढ़ गयी, जीएसटी बढ़ गया । मैं एक जानकारी और शेयर करना चाहता हूँ कि राजस्थान में एक एमएलए को 40 करोड़ रुपये मिल रहे हैं, बिहार, जो सबसे गरीब प्रदेश है, वहां 24 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं, झारखंड में तीस करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं और दिल्ली में तो 105 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं । पंजाब में 70 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं । यह एमएलए को दिया जा रहा है, मतलब एक एमपी सेग्मेंट में है ।

इस सरकार से मेरी गुज़ारिश होगी कि हर एरिया के डेवलपमेंट के लिए कम से कम 40 गुना नहीं तो 10-12 गुना बढ़ा कर 50-60 करोड़ रुपये प्रति एमपी, प्रति वर्ष बढ़ाया जाए और जीएसटी कंपोनेंट को यहीं पर काट कर भेजा जाए, ताकि पूरी रकम से वहां पर काम हो सके । यह मेरी प्रार्थना है । ? (व्यवधान)